1 सुख धाम

भारत माँ का सदन सुहाना,
स्नेह–प्रेम सम्मान यहाँ।
दुख–सुख में हैं गूँजा करते,
निशि–दिन गौरव गान यहाँ।

नहीं भेद है जाति धर्म का,
मानवता का मूल यहाँ।
इसका आँगन सुंदर उपवन,
भाँति–भाँति के फूल यहाँ।

राम, रहीम और ईसा से,
मिला श्रेष्ठतम ज्ञान यहाँ।
मंदिर–मस्जिद और गिरिजा में,
सुलभ एक सा ध्यान यहाँ।

सदा मित्र बन हाथ बढ़ाते,
नहीं बैर का नाम यहाँ।
अपने हित से पहले करते,
हम परहित के काम यहाँ।

भारत अपना स्वर्ग मनोहर,
कण–कण भरा ललाम यहाँ।
बहे नेह की निर्मल सरिता,
सबका है सुखधाम यहाँ।

अभ्यास–कार्य

शब्द –अर्थ

निशि – रात
बैर – दुश्मनी
स्नेह – प्रेम भाव
श्रेष्ठतम – सबसे अच्छा
मनोहर – मन को हरने वाला
सुखधाम – सुख का स्थान
उपवन – बगीचा
सदैव – हमेशा
सुहाना – सुंदर लगने वाला
सुलभ – सरलता से प्राप्त
सरिता – नदी
परहित – दूसरों की भलाई
ललाम – सुंदर

उच्चारण के लिए

सम्मान, सुंदर, भाँति–भाँति, श्रेष्ठतम, ज्ञान, ध्यान, बैर, यहाँ, मंदिर–मस्जिद, ईसा

सोचें और बताएँ

1. हम सुख–दुख में भी किसका गान करते हैं ?

2. भारत माँ के आँगन में कैसे फूल खिले हैं ?

3. श्रेष्ठतम ज्ञान किस–किससे मिला ?

लिखें

1. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें

   (गूँजा, गान, सम्मान, सदन)

   (क) भारत माँ का .....सुहाना,

   (ख)स्नेह प्रेम .....यहाँ ।

   (ग)दुख–सुख में हैं ..... करते,

   (घ) निशि–दिन गौरव .....यहाँ।

2. "सुलभ एक सा ध्यान यहाँ" का क्या आशय है ?
3. सुख का धाम किसे कहा गया है ?
4. भारत माँ के आँगन को सुंदर उपवन क्यों कहा गया है
5. हमारे देश को धरती का स्वर्ग क्यों कहा गया है ?
6. सुहाने सदन की क्या विशेषताएँ होती हैं, बताइए।

भाषा की बात

- दिए गए उदाहरण के अनुसार योजक (–) चिह्न के स्थान पर 'और' शब्द जोड़ते हुए पुनः लिखें

दुख–सुख	दुख और सुख
राम–रहीम	.....
जाति–धर्म	.....
दिन–रात	.....
स्नेह–प्रेम	.....
माता–पिता	.....

- पाठ में 'सुंदर उपवन' शब्द आया है, यहाँ उपवन की विशेषता बताई गई है। आप भी सुंदर विशेषण लगाकर नए शब्द बनाइए, जैसे– सुंदर माला।

यह भी करें–

- देश प्रेम से संबंधित अन्य कविता याद करें और कक्षा में सुनाएँ।
- दूसरों की भलाई के लिए आप क्या–क्या काम करना पसंद करोगे ?

मानव हृदय में घृणा, लोभ और द्वेष वह विषैली घास है जो प्रेम रूपी पौधे को नष्ट कर देती है।

–सत्य साँईबाबा